5-5-67 ओम शान्ति रात्री क्लास

बच्चों को गाले पर भी बहुत अच्छा समझाना चाहिये। संगम पुरूषोतम अक्षर भी लिखना है। और संगम को थोडा बडा करना चाहिये। तो क्लीयर लिख के सकेंगे। बच्चो की बुधी मे यह रहना चाहिये कि हम पुरूषोतम संगम युग पर है। आप ओय है पुरूषोतम बना रहे है। माताओ को तो उछलना चाहिये। अभी तो श्रेणी नही बनी है। जबकि योग बल से उछल खावे सर्विस का शौक हो। जब सर्विस करें तब उंच पद पा सकेंगे। अपने हमजिन्स को भक्तिमार्ग की अनुक प्रकार की जंजीरों से छुडाना है। तुम अपना जीवन बनाओ। परन्तु पति मे बच्चो मे फसीं रहती है। बादलो को तो रिफ्रेश होकर फिर जाकर सर्विस करनी चाहिये। इस सडी दुनियाँ से नष्टोमोहा होना है। नष्टोमोहा वा मोह जीत बात एक ही है। जिस चीज का विनाश होना है उस चीज मे मोह रख कर क्या करेंगे। सब से मोह निकालने है। समझो पति मर जावे तो हम रोवेंगी क्यो। वो तो दुःख देने वाला है। अब तो बाप क्षीर सागर मे ले जाने लिये आये है। अबलाओं को विकार के कारण सहन करना पडेगा। कहना पडेगा हम तो विख नही देंगे जाकर शादी करो। नष्टोमोहा पक्के चाहिये। भारत की शिव शक्ति गाई हुई है। तुम हो अहिंसक। किसीको भी दुःख नही देते हो। दुनिया मे अननोन वारीयी कोई होते नही है। अननोन है तो फिर उनका कब्र क्यो बनाते हो। अननोन हो तुम गुप्त हो नां। बाप भी गुप्त तो तुम भी गुप्त। बाप गुप्त ही पढ़ाते है। तो एक मत पर चलना चाहिये। दुसरा कोई उल्टा सुल्टा बोले तो कुछ नही सुनना चाहिये। तुम्हारा ही गायन है कि खुशी गोप गोपियों से पूछो। तुम ब्राह्मण गाये जाते हो। तुम पुजे नही जाते हो। पतित पावन की तुम औलाद हो। पुजने लायक देवताये है जिनकी आत्मा और शरीर दोनो ही प्योअर है। अब तुम पुज्य सो पुजारी बने। आधा कल्प पुजारी बन जाते हो। फिर आधा कल्प के पुज्यनिय लायक बनते हो। यह ज्ञान का अन्दर मथन करना चाहिये। गुड नाईट

6-5-67: रात्री क्लास:— वास्तव मे पहले-2 परिचय यही देना चाहिये कि हम प्रजापिता ब्र, कु, कु कैसे बने? हम ब्रह्मा के भी बच्चे तो ब्रह्मा है शिव बाबा का बच्चा। गोया हम शिव बाबा के पौत्रे पौत्रियाँ ठहरे। शिव बाबा ब्रह्मा दवारा रचते है तो ब्राह्मण ठहरे। तो अब बाप रच रहे है। हम उनके बच्चे बन कर वर्सा ले रहे है। लिखो। सुनते है समझते कुछ भी नही है। जैसे भक्ति मार्ग मे सुरैस आब्जेक्ट कुछ नही तो समझते भी कुछ नही है। ऐसे-2 समझाना चाहिये जो कि उनकी बुधी मे बैठे। देखना चाहिये हमारे कुल का है। इसमे बडी विशाल बुधी चाहिये। जो कि रीड् कर सके। देखो उनको कोई थोडा बहुत असर होता है। तो समझो कि वो हमारे ब्राह्मण कुल का है। नब्ज देखनी चाहिये। नही तो 8-10 दिनो तक ठीक-2 करते रहते है। कुछ भी समझेंगे नही। बच्चो का समय भी वेस्ट होगा। जिनको निश्चय होगा तो वो समझेंगे कि हम भी ब्र, कु, कु है। हम भी बाप से वर्सा पा लेवे। बहुत बच्चे समझते है कि यह अच्छा प्रभावित हुआ। लेकिन बाप तो कहते है कि वो कुछ भी समझा नही है। इसलिये बाबा कहते है कि वोलो लिख कर आओ। समझाने वाले समझ नही सकेंगे। जाँच करने लिये बुधी बहुत अच्छी चाहिये। बाप से जिनका योग ही नही तो उनका बाण ही क्या तीखा होगा। वो कटी हुई छुरी जैसा बाण होगा। अच्छे-2 विकल्प=आचार्य=पण्डित योग पक्का होगा तो खुशी से बाण लगावेंगे तो लग भी जावेगा। बडे-2 विदावान आचार्य पण्डित तो तुम्हारी जुती भी नही है। एक दिन समझेंगे जरूर कि इनमे भी बाण भरने वाला भगवान जरूर है। अच्छे-2 भी याद नही करते है। बाप मे असर होगा नां। अभी बाण नही लगाता है क्योंकि योग नही है। योग मे बहुत कमजोर है। अच्छे-2 भी याद नही करते है। बच्चे होकर बाप को याद नही करे तो मूर्ख ठहरे नां। योग नां होने कारण ही फिर बहुत भूले करते रहते है। पता भी नही पड़ता है कि हम किससे बात करते है। समझते है कि ब्रह्मा बोलते है शिव बाबा सिर्फ सुबह मे आते है था वा तो हमेशा कहते है कि हमेशा शिव बाबा

के के की समझाते के और************ * ********* ***